सृजक–समूह, देवघर

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021–22

सृजक–समूह झारखण्ड सरकार से संस्था निबंधन अधिनियम (21) 1860 के अन्तर्गत निबंधित गैरसरकारी संगठन है। संस्था ज्वलंत सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा समर्पित भाव से प्रयासरत रहती है। संस्था वित्तीय वर्ष 2021–22 में निम्नलिखित कार्यक्रमों को सम्पादित करने का प्रयास किया है:–

1) **व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र:–** संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से पन्द्रह शैया का व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र के कार्यकर्त्ताओं के अथक प्रयास से नशीले पदार्थ के व्यसनी नशा से मुक्ति पा रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता गाँव–गाँव घुमकर गोष्ठी एवं पर्चा बाँटकर लोगों को नशीले पदार्थ के व्यसन से होने वाले समस्याओं तथा इससे निजात पाने के उपायों को बताते हैं। इस वर्ष व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र में 165 नशीले पदार्थ के व्यसनियों ने इलाज करवाया। इलाज के पश्चात् वे समाज के मुख्य धारा से जुड़कर जीवन बसर कर रहे हैं। हमारे सामाजिक कार्यकर्त्ताओं का प्रयास है कि इलाज के पश्चात् वे समाज के मुख्य धारा से जुड़ जायें। संस्था के कार्यकर्त्ताओं द्वारा हेठ सरपता (10.04.2021), वरतपुर (17.04.2021), सोनारायठारी (03.07.3021), सारवॉ (10.07.2021), रिखियाहाट (17.07.2021), देवघर शहर (24.07.2021) देवघर शहर (31.07.2021,) बरापलासी (07.08.2021), देवीपुर (14.08.2021) देवघर शहर (21.08.2021) देवघर शहर (28.08.2021), देवघर शहर (04.09.2021), देवघर शहर (11.09.2021), देवघर शहर (18.09.2021), देवघर शहर (25.09.2021), देवघर ग्रामीण (09.10.2021), देवघर ग्रामीण (16.10.2021) देवघर ग्रामीण (23.10.2021), देवघर ग्रामीण (31.10.2021), देवघर ग्रामीण (06.11.2021), देवघर ग्रामीण (13.11.2021), देवघर शहर (20.11.2021), बुढई (26 एवं 27.11.2021), फरल गढा (04.12.2021), डुमरिया (11.12.2021), चानन(18.12.2021), तिलेया (08.01.2022), रतनपुर (12.02.2022), पुनासी (19.02.2022), मथुरापुर (26.02.2022), दरवाद (05.03.2022), तिलकपुर (12.03.2022), धावॉ (26.03.3022), में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपस्थित समुदाय को बताया गया कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दे तथा सजग रहे। किसी गलत आदमी के सम्पर्क में आकर वे नशा का शिकार हो सकते हैं। किसी प्रकार का समस्या दिखाई दे तो वे हमारे केन्द्र के कार्यकर्त्ता से मिलकर समस्या का हल निकालने का प्रयास करें।

2) **कौशल विकास कार्यक्रम :–** बेरोजगारी की समस्या आज सर्वोपरि हो गया है। बेरोजगारी के अनुपात में नौकरी उपलब्ध नहीं है। इसलिए हमें रोजगार के अन्य विकल्प पर विचार करना चाहिए। यदि हम किसी प्रकार का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना रोजगार शुरु करते हैं तो बेरोजगारी से निजात पाया जा सकता है। वर्तमान सरकार कौशल विकास प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे रही है जिससे बेरोजगार से रोजगार वाले बन सकते हैं साथ ही साथ अन्य बेरोजगार को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। समाज के युवा वर्ग को ज्यादा से ज्यादा कौशल विकास प्रशिक्षण की ओर अग्रसर होना चाहिए। संस्था द्वारा सभी वर्गो के लिए एक कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। जिसमें 23 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस केन्द्र में स्क्रिन प्रिंटिग, सिलाई–कटाई, ब्युटिशियन एवं कमप्युटर का प्रशिक्षण

सचिव
सृजक समूह
बिलियर्स टाउन, रानी कोठी
पो० देवघर (झारखण्ड)

दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त वे आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता भी यथा सम्भव सहयोग करते हैं। वे नये नये परियोजना से उन्हें अवगत कराकर रोजगारमुखी बनाने का प्रयास करते हैं।

3) **मूक–बधिर एवं मंदबुद्धि बच्चों का विशेष विद्यालय** :– दिव्यांग बच्चों के समस्या को ध्यान में रखकर संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से मूक–बधिर एवं मंदबुद्धि बच्चों के लिए एक विशेष विद्यालय का संचालन देवघर (झारखण्ड) में किया जा रहा है। विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के घर जाकर उनके परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करने का प्रयास करते हैं जिससे बच्चों में ज्यादा परिवर्तन आ सके। साथ ही साथ समाज के जागरूक व्यक्तियों को भी समझाते हैं कि इन बच्चों को भी अन्य बच्चों के समान ही समझें इनमें छुपी प्रतिभा को उभारने का प्रयास करें। ये समाज के लिए बोझ नहीं हैं केवल इनको समझने की जरुरत है। यदि ससमय इनकी पहचान कर ली जाय तथा योग्य चिकित्सक एवं विशेष विद्यालय से सलाह लिया जाय तो समाधान निकल सकता है। वर्तमान में 55 बच्चे विशेष विद्यालय में नामांकित हैं। इस वर्ष कोरोना के कारण विद्यालय में शिक्षण–प्रशिक्षण कार्य नहीं हो पाया। संस्था द्वारा विद्यालय में नामांकित बच्चों को खाद्य सामग्री घर पर मुहैया करवाया गया। विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के घर जाकर उनके परिवार के सदस्यों को सुविधानुसार बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाए तथा उन पर ध्यान देने को कहा।

4) **महिला एवं बाल कल्याण कार्यक्रमः**– डा0 धन कृष्ण मंडल के सहयोग से संस्था द्वारा क्रमशः रतनपुर रिखीया (21.11.2021) में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर से 33 लोगों ने लाभ उठाया। लोगों को स्वास्थ्य जाँच के साथ–साथ आवश्यकतानुसार दवा भी मुहैया करवाया गया। लोगों को सलाह दिया गया कि वे अपने परिवार को दो बच्चों तक सीमित करने का प्रयास करें। बच्चों को स्वस्थ रखने हेतु उपस्थित जनसमुदाय को बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की मात्रा के बारे में विस्तार से बताया गया जिससे बच्चे कुपोषण के शिकार न हो। साथ ही साथ महिलाओं को भी सलाह दी गयी कि वे पोषक तत्व से भरपुर भोजन किया करें। खासकर गर्भावस्था की स्थिति में पोषक तत्व से भरपुर भोजन जरुर करें जिससे कुपोषित बच्चा पैदा न हो।

5) **सेमिनार/कार्यशालाः**– इस वर्ष निम्नलिखित कार्यशाला/शिविर का आयोजन किया गया। सभी कार्यशाला/शिविर वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं पर केन्द्रित था –

(क) **विश्व स्वपरायणता दिवस** :– 2 अप्रैल 2021 को विश्व स्वपरायणता दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा एक जागरुकता शिविर का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। जिसमें बच्चों के अभिभावक, समाजसेवी तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को स्वपरायणता के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिसमें 65 लोगों ने भाग लिया।

(ख) **एड्सः**– 1 दिसम्बर, 2021 को एड्स दिवस के अवसर पर तिवारी चौक, देवघर पर एक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों को इस बीमारी के बारे में विस्तार से बताया गया कि ये रोग कैसे फैलता है और इससे बचने के कौन–कौन से उपाय हैं। लोगों के बीच संदेशात्मक पर्चा

सचिव
सुपात्र समूह
विलियम्स टाउन, रानी कोठी
बी0 देवघर (झारखण्ड)

बाँटा गया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी। उपस्थित लोगों ने विश्वास दिलाया कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे एड्स जागरूकता अभियान में हम भरपुर सहयोग करेंगे। उपस्थित लोगों का सम्मिलित विचार था कि इस समस्या से जागरुकता के द्वारा ही लड़ा जा सकता है। शिविर में 46 लोगों ने शिरकत किया।

(ग) **अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस** :– 3 दिसम्बर, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं अभिभावकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को दिव्यांगता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम ससमय सजग रहें तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों को दयनीय दृष्टि से नहीं देखना चाहिए, उनमें भी प्रतिभा होती है, केवल उनकी ससमय पहचान कर समाज के मुख्य धारा में लाने की जरुरत है। साथ ही साथ किसी विशेष विद्यालय से सम्पर्क करना चाहिए। जागरुकता शिविर में 78 लोगों ने भाग लिया। संदेशात्मक पर्चा बाँटा गया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी।

(घ) **शीघ्र पहचान कार्यक्रम** :– संस्था द्वारा दिनांक–20.02.2022 को रिखिया बाजार में शीघ्र पहचान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 110 गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित जनसमुदाय को बताया गया कि यदि कोई महिला बच्चा के लिए सोचती है तो गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान तथा बच्चे के जन्म के पश्चात् किस तरह के सावधानी पर ध्यान देना चाहिए। समय पर रोग निरोधक टीका लगवाया जाय। अच्छे चिकित्सक से समयानुसार सलाह लेनी चाहिए। बिना चिकित्सक के सलाह के दवा नहीं लेनी चाहिए।

(ड़) **विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस** :– 21 मार्च, 2022 को विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस के अवसर पर जटाही चौक, देवघर के पास एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 78 लोगों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों के अभिभावक तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को डाउन सिन्ड्रोम के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम सजग रहेंगे तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें गर्भावस्था के दौरान अच्छे चिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। खासकर जब पति पत्नी का उम्र ज्यादा हो या पहले से कोई दिव्यांग बच्चा पैदा लिया हो। ये एक क्रोमोजोमल कारक है। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। पहले से यदि डाउन सिन्ड्रोम से ग्रसित बच्चा पैदा लिया हो तो अगले बच्चे के बारे में सोचने से पहले किसी अच्छे चिकित्सक से सलाह जरुर लेना चाहिए।

संस्था उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन के साथ–साथ अन्य ज्वलंत समस्याओं के प्रति गहरी सोच रखती है। आवश्यकतानुसार अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समस्या समाधान की ओर अग्रसर रहती है तथा भविष्य में भी रहेगी।

सचिव
सजग समूह
बिलियम्स टाउन, रानी कोठी
बी० देवघर (झारखण्ड)

राष्ट्रीय न्यास के अन्तर्गत आने वाले दिव्यांगों के लिए कार्यक्रम :–

इस वर्ष भी झारखण्ड सरकार के आदेश पर कोरोना के कारण विद्यालय में शिक्षण–प्रशिक्षण कार्य नहीं हो पाया। संस्था द्वारा विद्यालय में नामांकित बच्चों में से 14 बच्चों को खाद्य सामग्री घर पर मुहैया करवाया गया। विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के घर जाकर उनके परिवार के सदस्यों को सुविधानुसार बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाए तथा उन पर ध्यान देने को कहा। साथ ही साथ विद्यालय में नामांकित बच्चों के घर जाकर शिक्षक/शिक्षिका द्वारा प्रशिक्षण का कार्य भी किया गया।

विश्व स्वपरायणता दिवस :– 2 अप्रैल 2021 को विश्व स्वपरायणता दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा एक जागरुकता शिविर का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। जिसमें बच्चों के अभिभावक, समाजसेवी तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को स्वपरायणता के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिसमें 65 लोगों ने भाग लिया।

शीघ्र पहचान कार्यक्रम :– संस्था द्वारा दिनांक–20.02.2022 को रिखिया बाजार में शीघ्र पहचान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 110 गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित जनसमुदाय को बताया गया कि यदि कोई महिला बच्चा के लिए सोचती है तो गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान तथा बच्चे के जन्म के पश्चात् किस तरह के सावधानी पर ध्यान देना चाहिए। समय पर रोग निरोधक टीका लगवाया जाय। अच्छे चिकित्सक से समयानुसार सलाह लेनी चाहिए। बिना चिकित्सक के सलाह के दवा नहीं लेनी चाहिए।

विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस :– 21 मार्च, 2022 को विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस के अवसर पर जटाही चौक, देवघर के पास एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 78 लोगों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों के अभिभावक तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को डाउन सिन्ड्रोम के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम सजग रहेंगे तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें गर्भावस्था के दौरान अच्छे चिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। खासकर जब पति पत्नी का उम्र ज्यादा हो या पहले से कोई दिव्यांग बच्चा पैदा लिया हो। ये एक क्रोमोजोमल कारक है। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। पहले से यदि डाउन सिन्ड्रोम से ग्रसित बच्चा पैदा लिया हो तो अगले बच्चे के बारे में सोचने से पहले किसी अच्छे चिकित्सक से सलाह जरुर लेना चाहिए।

विशेष विद्यालय का नाम – **सृजक –समूह**

Intelectual Disability – 08

Cerebral Palsy - 10

Multiple Disabilities – 12

Total - 30

सचिव
सृजक समूह
बिलियर्स टाउन, रानी कोठी
पो० देवघर (झारखण्ड)

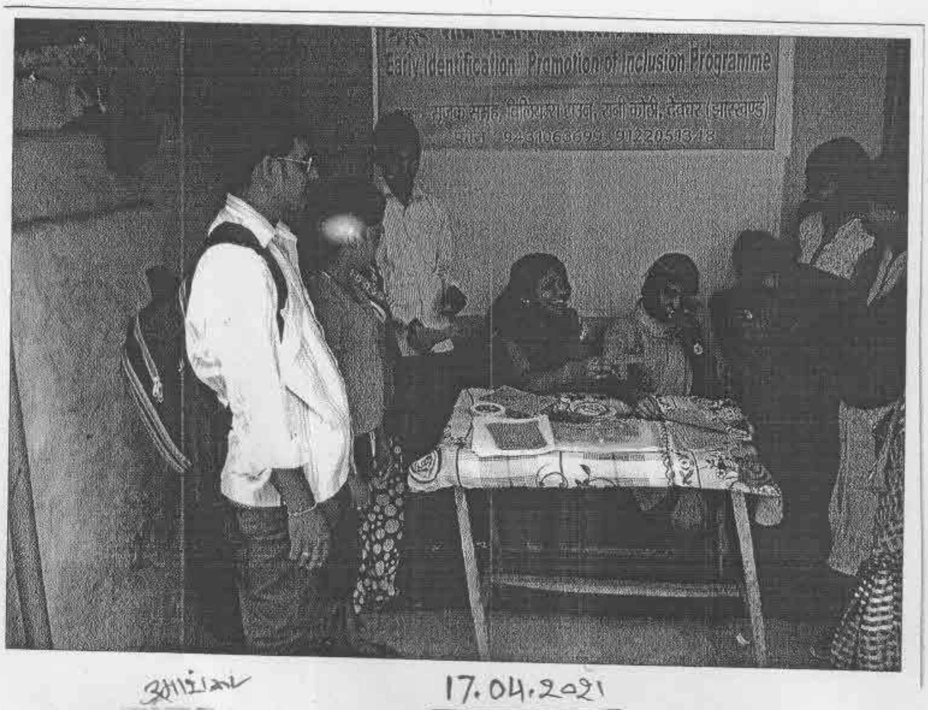

17.04.2021

Early Identification Programme

सृजक समूह
विलियम्स टाउन, रानी कोठी
पो० देवघर (झारखण्ड)

23.10.2021

Sensitization Programme

सृजक समूह
विलियम्स टाउन, रानी कोठी
पो० देवघर (झारखण्ड)

सचिव
सृजक समूह
बलियर्स टाउन, रानी कोठी
बी० देवघर (झारखण्ड)

20.11.2021

Awareness Programme

पोस्टर प्रदर्शनी

03.12.2021

सचिव
सृजक समूह
बलियर्स टाउन, रानी कोठी
बी० देवघर (झारखण्ड)

UMMID
Spl. School

TLM

[illegible]
बलियर्म्स टाउन, रानी कोठी
बी० देवघर (झारखण्ड)